E
Batch - 2020-21/ 2021-22

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : दिसंबर – २०२२

सत्र – १

विषय : विशेष साहित्यकार – प्रेमचंद (भाग – १) (HC - 102)

दि.: २२/१२/२०२२ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ उपन्यास लेखन के पीछे होनेवाली प्रेमचंदजी की प्रेरणा को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. २ 'गोदान' उपन्यास के कथानक और चरित्र-चित्रण के तत्त्वों को विशद कीजिए ।

प्र. ३ ''गबन' उपन्यास का हर स्त्री-पात्र आभूषणों की लालसा से लिप्त है ' – सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ४ प्रेमचंद जी के उपन्यासों में भाषा-शैली, मनोविज्ञान तथा चित्रात्मक शैली पर विस्तृत विवेचन कीजिए ।

प्र. ५ होरी जैसे किसान और उसकी जैसी समस्याएँ आज भी मौजूद हैं – इस विधान पर अपना मत स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ६ 'गबन' उपन्यास का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

प्र. ७ प्रेमचंद कालीन मध्यवर्ग की समस्याओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ८ प्रेमचंद के विचारों पर गांधीवाद का प्रभाव रहा है – स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ९ **निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स-संदर्भ व्याख्या कीजिए ।**

१) इस वक्त तुम्हारी सूझ-बूझ देखकर जी खुश हो गया सही सच्ची देवियों का यही धर्म है ।

२) मुझे तुम पर विश्वास नहीं, तुम्हारी स्त्री की ईमानदारी पर मैं पैसा देती हूँ ।

३) इस स्नेह में उसके वंचित हृदय ने पति प्रेम और पुत्र प्रेम दोनों ही पा लिया ।

४) तुम्हारा राज जब आ जाएगा तब तो गरीबों को पीसकर पी जाओगे ।

प्र.१० **निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।**

१) 'गोदान' शीर्षक

२) रतन

३) जोहरा

४) धनिया